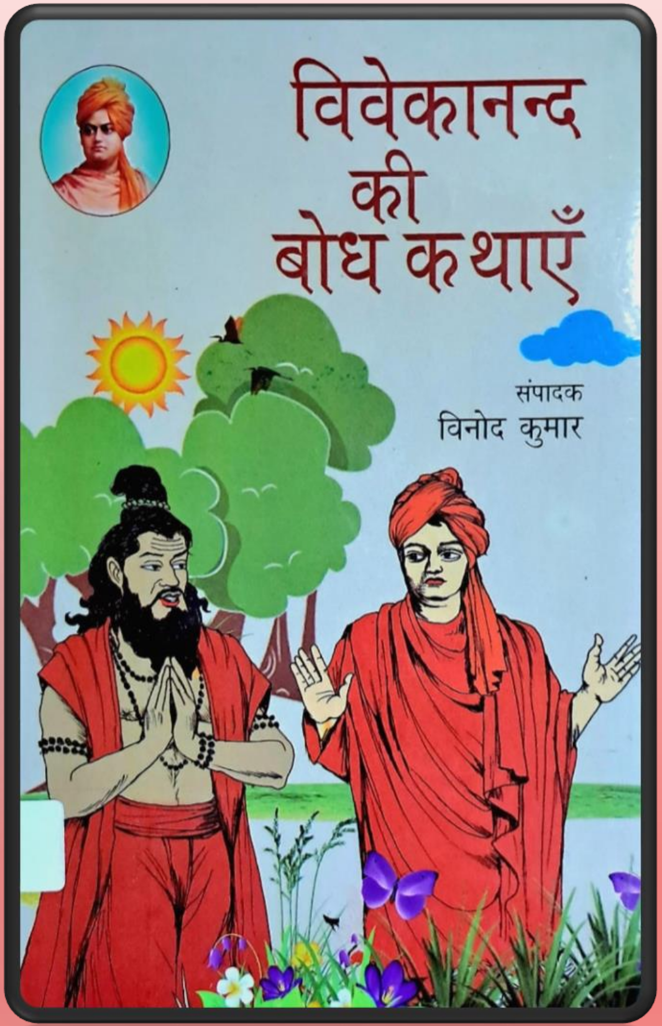

HB2826 - विवेकानन्द की बोध कथाएँ

संपादक - विनोद कुमार

विनोद कुमार का जन्म 5 जुलाई, 1978 को राजस्थान प्रदेश के झुंझनू जिले के ग्राम मंड्रेला में हुआ था।

पूरे विश्व में भारतीय वैदिक परंपरा और संस्कृति का डंका बजाने वाले स्वामी विवेकानन्द वैज्ञानिक दृष्टि वाले महात्मा थे। वे अन्धविश्वास, रूढ़ि परम्पराओं और पोंगापंथी के विरोधी थे। उनकी हार्दिक कामना थी कि उसके देशवासी मानव मात्र की सेवा करना सीखें, भारतीय संस्कृति को परिपुष्ट करें। और चरित्रवान बनें।

विद्यार्थियों को नैतिक, साहसी और ईमानदार बनाने के लिए स्वामीजी ने बहुत-सी छोटी-छोटी कहानियाँ कही थीं। उनमें से ही कुछ कहानियाँ इस पुस्तक में संकलित हैं। यह कहानियाँ रोचक और शिक्षाप्रद हैं।

HB2901 - वीर शहीदों की अमर गाथा

लेखक - प्रोफेसर (डॉ.) दिलीप कुमार

दिलीप कुमार वर्तमान में मैनेजमेंट एजुकेशन एंड रिर्सच इंस्टीट्यूट के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में संस्थापक विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत है। उनके लेखन कार्य की रुचि के स्वरूप मीडिया विषय पर उनकी 23 पुस्तकें, 35 शोधपत्र तथा एक हजार से अधिक लेख विभिन्न राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

वीर शहीदों की अमर गाथा पुस्तक, भारत के वीर स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियों का संकलन हैं। भारत को स्वतंत्रता दिलाने के पीछे उन्ही सब क्रांतिकारीयो द्वारा किए गए प्रयासों का फल हैं। जिन्होंने संघर्ष को आयोजित करने का बीड़ा उठाया जिसके कारण भारत को स्वतंत्रता मिली हैं। हम कुछ ऐसे वीरों के बारे में भी जानेंगे जो धरती माता के लिए लड़ते लड़ते चले गए और परम वीर चक्र से परस्कृत किये गये हैं।

HB2927 - गोनू झा की अनोखी दुनिया

लेखक - अशोक महेश्वरी

प्रस्तुत पुस्तक गोनू झा की लोकोक्तियों का संकलन हैं। जनश्रुति के अनुसार गोनू झा का जन्म दरभंगा जिला के अन्तर्गत भरौरा गाँव में लगभग पाँच सौ वर्ष पूर्व एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। गोनू झा की कथाएँ लोगों में ऐसी रच-बस गई हैं कि लोकोक्तियों का रूप धारण कर चुकी हैं।

गोनू झा की गणना बीरबल, गोपाल भीड़, तेनाली राम तथा मुल्ला- दो पियादा के समकक्ष की जाती रही है, किन्तु कई बातों में उनका अपना अलग व्यक्तित्व भी रहा है और वह था उनका फक्कड़पन! आर्थिक-मानसिक परेशानियों में भी वह कभी विचलित नहीं होते थे । कठिन से कठिन परिस्थितियों को भी बड़ी सहजता से ग्रहण करना उनकी विशेषता थी ।

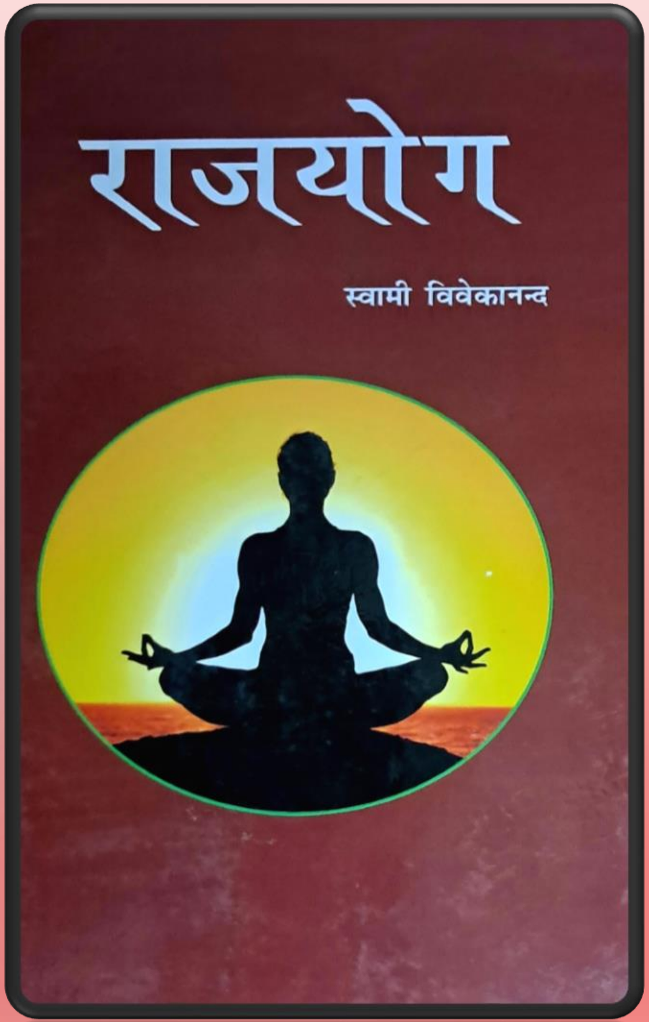

HB2902 – राजयोग

लेखक- स्वामी विवेकानन्द

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी सन् 1863 को कोलकाता में हुआ। उन्होंने देश और विदेश में वेदांत और सच्चे मार्ग का प्रसार प्रचार किया। मात्र 39 वर्ष की उम्र में 4 जुलाई 1902 को उनका निधन हो गया।

प्रस्तुत लेख में स्वामी विवेकानन्दजी ने न्यूयॉर्क में राजयोग पर जो व्याख्यान दिये थे, उनका संकलन किया गया है। साथ ही इसमें पातंजल योगसूत्र, उनके अर्थ तथा उन पर स्वामीजी द्वारा लिखी टीका भी सम्मिलित हैं। प्रत्येक व्यक्ति में अनन्त ज्ञान और शक्ति का वास है | राजयोग उन्हें जागृत करने का मार्ग प्रदर्शित करता है।

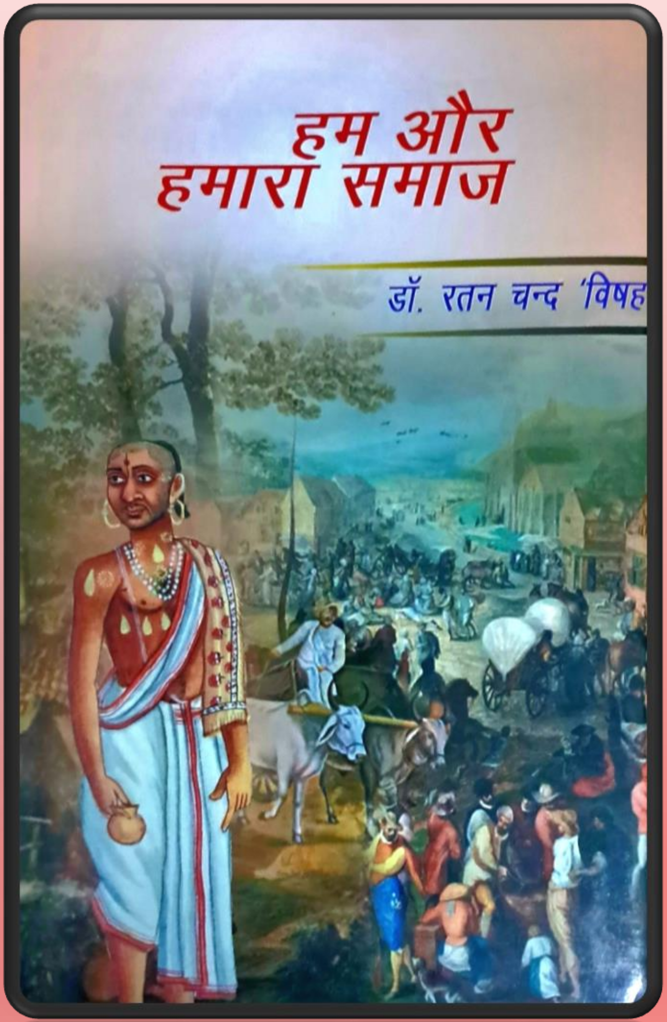

HB2902 - हम और हमारा समाज

लेखक - डॉ. रतन चन्द विषहर

डॉ. रतन चन्द विषहर का जन्म 12 दिसंबर, 1960 को रनाल जिले के शामगढश गाँव में हुआ था। पड़ोस में मातम, बस एक रात, हे अवधेष अवधूत आदि उनकी प्रसिद्ध रचनाएं है।

प्रस्तुत पुस्तक में हमारे समाज में फैली बुराइयों एवं अन्धविश्वास पर चर्चा की गयी है। सही अर्थों में शिक्षक वही है जो अपने कर्तव्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ होकर शिक्षण को पेशा न समझकर शिक्षण के लिए जीवन जीता है। गुरु कुम्हार की तरह है और शिष्य घड़े की तरह। अपसंस्कृति में सखा-संस्कृति पर विचार-विमर्श किया गया है।